INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक

RSMSSB

भाग-1 राजस्थान भूगोल + इतिहास + संस्कृति + राजव्यवस्था

LATEST EDITION

whatsapp- https://wa.link/8842rw_1 website- https://bit.ly/vanpal-vanrakshak-notes

(राजस्थान का भूगोल)

1. सामान्य परिचय
2. भू – आकृतिक प्रदेश
3. नदियाँ एवं झीलें
4. जलवायु
5. वनस्पति एवं वन्य जीव अभ्यारण्य, वन्यजीव एवं संरक्षण
6. राजस्थान में मृदा
7. जनसंख्या
8. राजस्थान में खनिज
9. पशु संसाधन
10. राजस्थान में उद्योग
11. प्रमुख परियोजनाएँ

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान का इतिहास और संस्कृति

1. प्रागैतिहासिक काल
2. राजस्थान इतिहास के स्त्रोत
3. राजस्थान की प्राचीन सभ्यताएं

4. गुर्जर प्रतिहार वंश

5. मेवाड़ का इतिहास

6. अजमेर के चौहान

7. रणथम्भौर के चौहान

8. मारवाड़ का इतिहास

9. राजस्थान के वंश

10.मुगल सम्राटों और उनकी राजपूत नीति

11. मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था

12. राजस्थान की रियासतें और ब्रिटिश संधियां

13. राजस्थान में 1857 की क्रांति में हुए प्रमुख विद्रोह

14. राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन

15.राजस्थान में प्रजामंडल

16. राजस्थान का एकीकरण

17.मध्यकालीन और आधुनिक काल में महिलाओं की भूमिका

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

1. वास्तुकला – मंदिर किले और महल

2. बोलियाँ एवं साहित्य

3. संगीत घराने, संगीत ग्रंथ और प्रमुख संगीतकार

4. राजस्थान के लोकगीत

5. राजस्थान के प्रमुख लोक नृत्य

6. राजस्थान के लोकसंत एवं प्रमुख सम्प्रदाय

7. लोक देवता और लोक देवियाँ

8. हस्त शिल्प कलाएँ

9. मेले एवं त्यौहार

10. रूढ़िया

11. वस्त्र एवं आभूषण

12. प्रमुख पर्यटन केंद्र

13. जनजातियाँ और उनकी अर्थव्यवस्था

14. मध्यकालीन राजस्थान की प्रशासनिक व्यवस्था

15. पेंटिंग्स – विभिन्न स्कूल

16. राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व

राजव्यवस्था

1. राज्यपाल
2. मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद्
3. विधानसभा
4. उच्च न्यायालय
5. राजस्थान लोक सेवा आयोग
6. राज्य मानवाधिकार आयोग
7. लोकायुक्त
8. राज्य निर्वाचन आयोग
9. राज्य सूचना आयोग
10. राजस्थान राज्य महिला आयोग
11. जिला प्रशासन एवं तहसील प्रशासन
12. पंचायती राज

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान "वनपाल एवं वनरक्षक" के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (9694804063, 8233195718, 8504091672) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

राजस्थान का भूगोल

अध्याय – 1

सामान्य परिचय

प्रिय छात्रों, राजस्थान के भूगोल का अध्ययन करने के लिए हम इसे निम्न दो भागों में विभाजित करेंगे-

1. सामान्य परिचय
2. भौतिक स्वरूप

1. सामान्य परिचय-

प्रिय छात्रों, सामान्य परिचय के अंतर्गत हम राजस्थान के निम्न विषयों को विस्तार से समझेंगे-

(क) राजस्थान शब्द का उल्लेख

(ख) राजस्थान की स्थिति

(ग) राजस्थान का विस्तार

(घ) राजस्थान का आकार

(ङ) राजस्थान की आकृति

2. भौतिक स्वरूप – इसी प्रकार भौतिक स्वरूप के अंतर्गत हम निम्न विषयों को विस्तार से समझेंगे–

(क)पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश

(ख)अरावली पर्वतीय प्रदेश

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(ग) पूर्वी मैदानी प्रदेश

(घ) दक्षिण पूर्वी पठारी प्रदेश

1. राजस्थान का परिचय

(क) राजस्थान शब्द का उल्लेख- राजस्थान - राजाओं का स्थान

प्रिय छात्रों, राजस्थान शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख राजस्थानी साहित्य विक्रम संवत 682 ई. में उत्कीर्ण बसंतगढ़ (सिरोही जिला) के शिलालेख में मिलता है I

मारवाड़ इतिहास के प्रसिद्ध लेखक "मुहणोत नैणसी"ने भी अपनी पुस्तक "नैणर्स री ख्यात" में भी राजस्थान शब्द का प्रयोग किया है, लेकिन इस पुस्तक में यह शब्द भौगोलिक प्रदेश राजस्थान के लिए प्रयुक्त हुआ नहीं लगता I

महर्षि वाल्मीकि ने राजस्थान की भौगोलिक क्षेत्र के लिए "मरुकान्तार" शब्द का उल्लेख किया है I

जॉर्ज थॉमस पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने सन् 1800 ई. में इस भौगोलिक क्षेत्र को "राजपूताना" शब्द कहकर पुकारा I इस तथ्य का वर्णन विलियम फ्रैंकलिन ने अपनी पुस्तक "मिलिट्री मेमोरीज ऑफ़ मिस्टर थॉमस" में किया हैI

जॉर्ज थॉमस:- जॉर्ज थॉमस एक आयरलैंड के सैनिक थे जो कि 18वीं. सदी में भारत आए और 1798 से 1801 तक भारत में एक छोटे से क्षेत्र (हिसार-हरियाणा) के राजा रहेI इन्होंने राजस्थान को "राजपूताना" शब्द इसलिए कहा क्योंकि मध्यकाल एवं पूर्व आधुनिक काल में राजस्थान में अधिकांश राजपूत राजवंशों का शासन थाI ब्रिटिश काल में इस क्षेत्र को "राजपूताना" कहा जाता था I

विलियम फ्रैंकलिन:- विलियम फ्रैंकलिन मूल रूप से लंदन के निवासी थे। यह जॉर्ज थॉमस के घनिष्ट मित्र थे। उन्होनें 1805 जॉर्ज थॉमस के ऊपर "A Military Memories of George Thomas" नामक पुस्तक लिखी थी।

अकबर के नवरत्नों में से एक मध्यकालीन इतिहासकार "अबुल फजल" ने इस भौगोलिक क्षेत्र के लिए "मरुभूमि" शब्द का प्रयोग किया है।

1829 ईस्वी. में "कर्नल जेम्स टॉड" ने अपनी पुस्तक "एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" में सर्वप्रथम राजस्थान को "रजवाड़ा" या राजस्थान का नाम दिया था।

कर्नल जेम्स टॉड:- कर्नल जेम्स टॉड 1818 से 1821 के मध्य मेवाड़ (उदयपुर) प्रांत में एक पॉलिटिकल (राजनीतिक) एजेंट थे तथा कुछ समय तक मारवाड़ रियासत के ब्रिटिश एजेंट भी रहे। कर्नल जेम्स टॉड यूनाइटेड किंगडम के मूल निवासी थे, उन्होनें अपने घोड़े पर घूम - घूम कर राजस्थान के इतिहास लेखन का कार्य किया इसलिए इन्हें घोड़े वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है।

कर्नल जेम्स टॉड को "राजस्थान के इतिहास का पितामह" कहा जाता है।

कर्नल जेम्स टॉड की पुस्तक एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान" को "सेंट्रल एंड वेस्टर्न राजपूत स्टेट्स ऑफ इंडिया" के नाम से भी जानते हैं।

इस पुस्तक का पहली बार हिंदी अनुवाद राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार "गौरीशंकर - हरीशचंद्र ओझा" ने किया था। इसे हिंदी में "प्राचीन राजस्थान का विश्लेषण" कहते हैं।

महाराज भीम सिंह ने कर्नल की सेवाओं से प्रभावित होकर गांव का नाम "टाडगढ़" रख दिया था, जो कालांतर में टाडगढ़ कहलाने लगा जो कि आज अजमेर जिलें की तहसील का मुख्यालय है।

प्रिय छात्रों, राजस्थान की स्थिति को हम सर्वप्रथम पृथ्वी पर तत्पश्चात एशिया में और फिर भारत में देखेंगे।

(I) राजस्थान की स्थिति "पृथ्वी" पर :- पृथ्वी पर राजस्थान की स्थिति को समझने से पहले निम्नलिखित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को समझना होगा-

(क)अंगारालैंड / युरेशियल प्लेट

(ख)गोंडवाना लैंड प्लेट

(ग) टेथिस सागर

(घ) पेन्जिया

(ङ) पेंथाल्जा

***नोट:-** प्रिय छात्रों, कृप्या ध्यान दें कि – आज से करोड़ों वर्ष पहले पृथ्वी सिर्फ दो हिस्सों में बटी हुई थी ।*

1.स्थल

2.जल

जैसा कि आज भी है, लेकिन वर्तमान में यदि हम स्थल मंडल को देखें तो हमें यह कई भागों में विभाजित हुआ दिखता है, जैसे सात महाद्वीप अलग-अलग हैं। उनके भी कई देश एक-दूसरे से काफी अलग अलग है इत्यादि। लेकिन बहुत पहले संपूर्ण स्थलमंडल सिर्फ एक ही था; इसी स्थलीय क्षेत्र को "पेन्जिया" के नाम से जानते थे तथा बाकी बचे हुए हिस्से को (जल वाले क्षेत्र को)"पेंथाल्जा" के नाम से जानते थे। अब इसे नीचे दिए गए मानचित्र से समझने की कोशिश कीजिए-

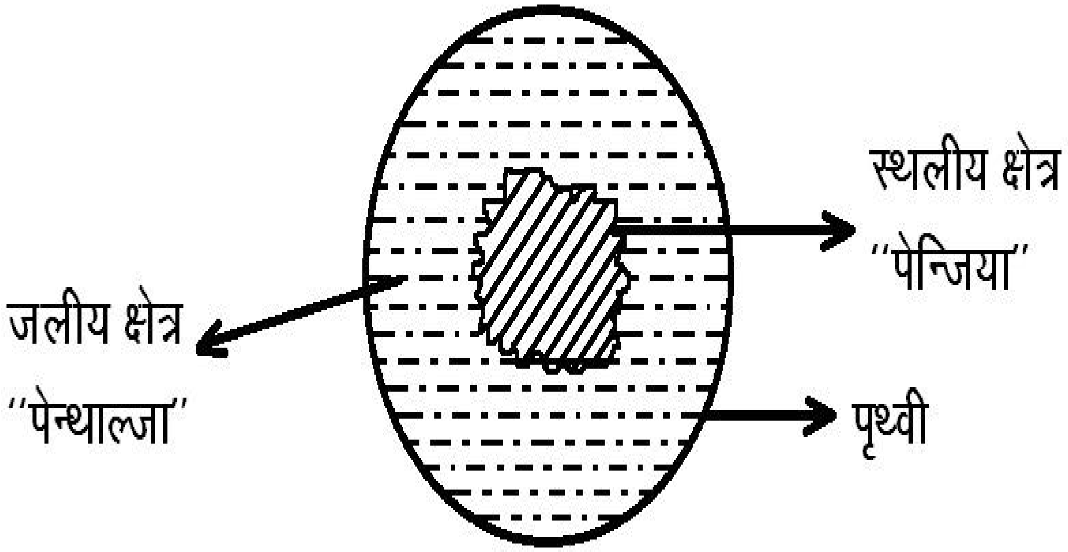

प्रिय छात्रों, पृथ्वी परिक्रमण एवं परिभ्रमण गति करती है अर्थात् अपने स्थान पर भी (1 दिन में) घूमती है, और सूर्य का चक्कर भी लगाती है। पृथ्वी की इस गति की वजह से स्थल मंडल की प्लेटों में हलचल होने की वजह से पेन्जिया (स्थलीय क्षेत्र)दो भागों में विभाजित हो गया जिसके उत्तरी भाग में उत्तरी अमेरिका, यूरोप और उत्तरी एशिया का निर्माण हुआ । इस स्थलीय क्षेत्र को "अंगारा लैंड / यूरेशियन प्लेट" के नाम से जानते है।

इसके दूसरे भाग (दक्षिणी) में दक्षिणी अमेरिका, दक्षिणी एशिया, अफ्रीका तथा अंटार्कटिका का निर्माण हुआ, इस क्षेत्र को "गोंडवाना लैंड"'प्लेट' के नाम से जानते हैं।

दोनों प्लेटों के बीच में विशाल सागर था जिसे "टेथिस सागर" के नाम से जानते थे।- इसको नीचे दिए गए मानचित्र की सहायता से समझते हैं-

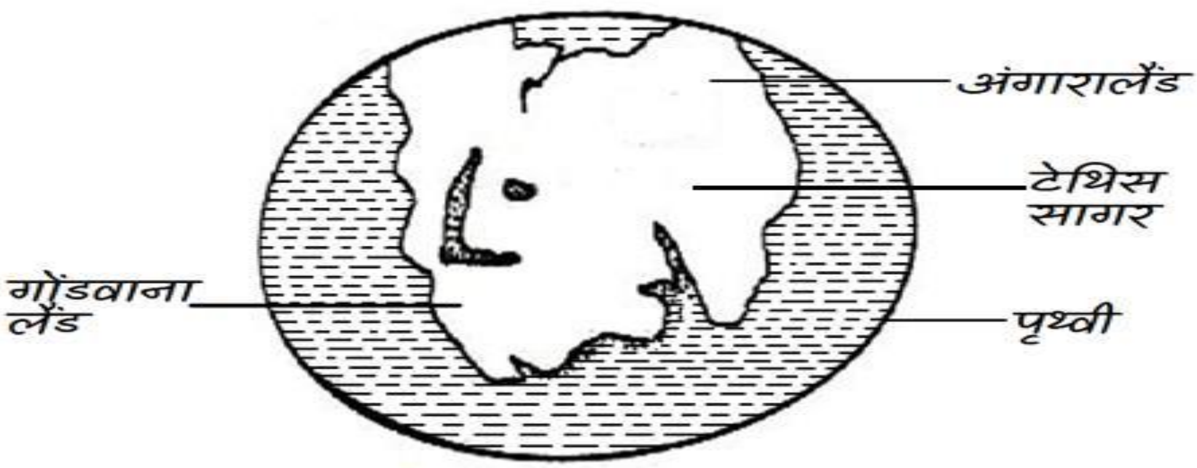

नोट:- राजस्थान का पश्चिमी रेगिस्तान तथा रेगिस्तान में स्थित खारे पानी की झीलें "टेथिस सागर" के अवशेष है तथा राजस्थान का मध्यवर्ती पहाड़ी क्षेत्र (अरावली पर्वतमाला) एवं दक्षिण पूर्वी पठार भाग "गोंडवाना लैंड" प्लेट के हिस्से है।

टेथिस सागर *: - टेथिस सागर गोंडवाना लैंड प्लेट और युरेशियल प्लेट के मध्य स्थित एक सागर के रूप में कल्पित किया जाता है, जो कि एक छिछला और संकरा सागर था । और इसी में जमा अवसादों के प्लेट विवर्तनिकी के परिणामस्वरुप अफ्रीकी और भारतीय प्लेटों के यूरेशियन प्लेट के टकराने के कारण हिमालय और आल्प्स जैसे महान पहाड़ों की रचना हुई है।*

प्रिय छात्रों, अब तक हम अंगारालैंड, गोंडवानालैंड, टेथिस सागर, पेंजिया तथा पेंथाल्जा का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर चुके हैं । अब हम राजस्थान की स्थिति, पृथ्वी पर का अध्ययन करते है। नीचे दिए गए मानचित्रों को ध्यान से समझें -

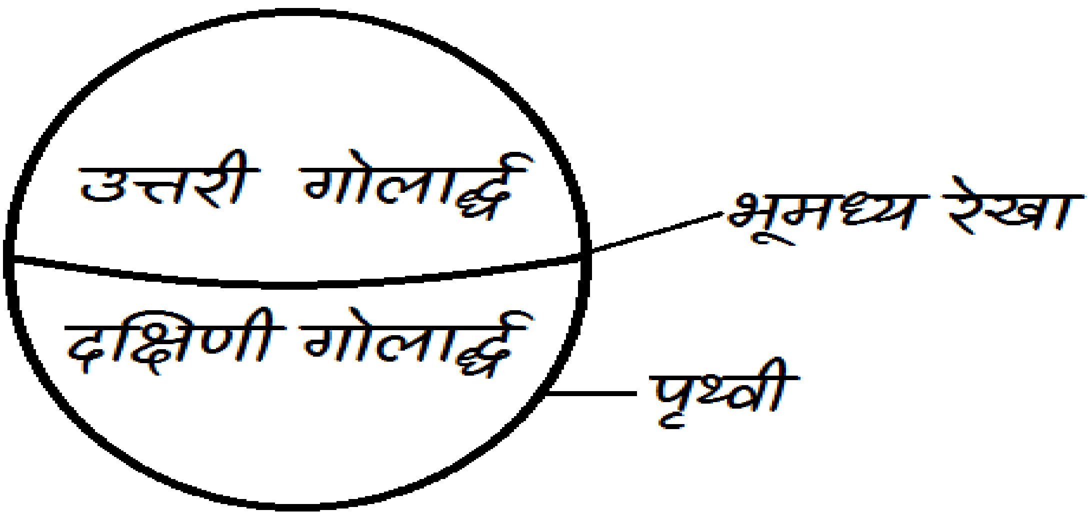

मानचित्र -।

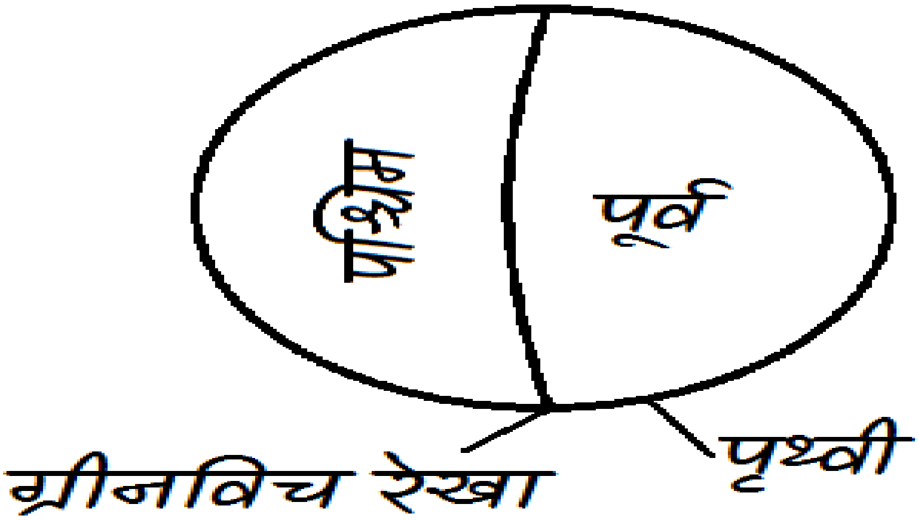

मानचित्र - 2

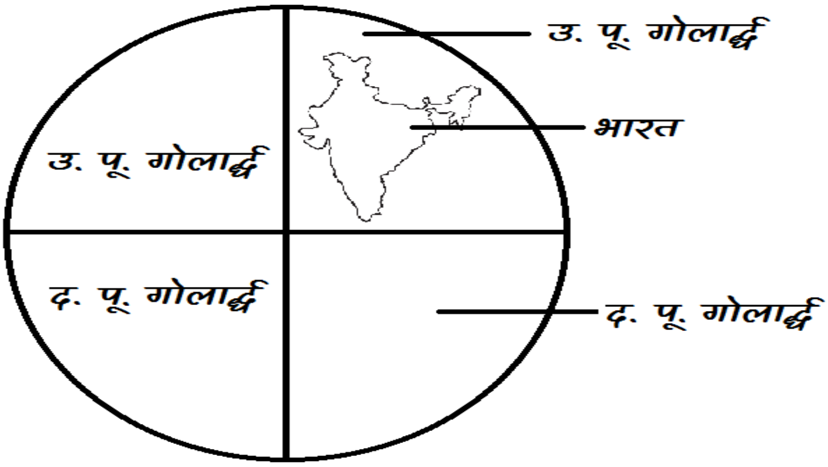

मानचित्र – 3

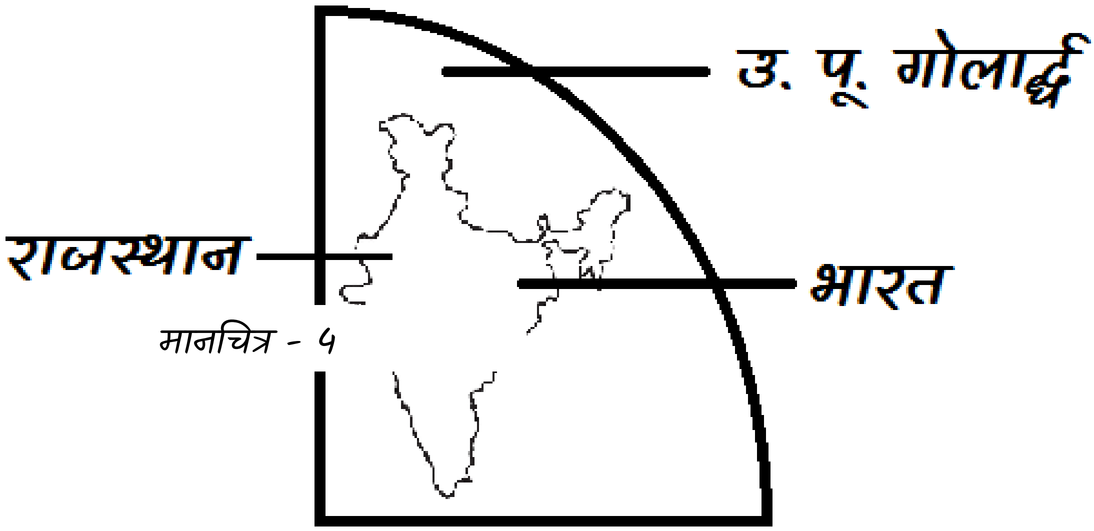

मानचित्र - 5

प्रिय छात्रों ऊपर दिए गए मानचित्र के बारे में एक बार समझते हैं।

मानचित्र-1 पृथ्वी को भूमध्य रेखा से दो भागों में बांटा गया है :-

1. उत्तरी गोलार्द्ध
2. दक्षिणी गोलार्द्ध

इसी प्रकार ग्रीनविच रेखा पृथ्वी को दो ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

“राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022” की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान की अन्य राज्यों से सीमाएँ :-

पंजाब (८१ कि.मी.)

राजस्थान के दो जिलों की सीमा पंजाब से लगती है तथा पंजाब के दो जिलें फाजिल्का व मुक्तसर की सीमा राजस्थान से लगती है । पंजाब के साथ सर्वाधिक सीमा श्रीगंगानगर व न्यूनतम सीमा हनुमानगढ़ की लगती है। पंजाब सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय श्रीगंगानगर तथा दूर जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ है। पंजाब सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला श्रीगंगानगर व छोटा जिला हनुमानगढ़ है।

हरियाणा(1262 कि.मी.) :-

राजस्थान के 7 जिलों की सीमा हरियाणा के 7 जिलों :- सिरसा, फतेहबाद, हिसार, भिवाड़ी, महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, मेवात से लगती है। हरियाणा के साथ सर्वाधिक सीमा हनुमानगढ़ व न्यूनतम सीमा जयपुर की लगती है तथा सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय हनुमानगढ़ व दूर मुख्यालय जयपुर का हैं। हरियाणा सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला चुरु व छोटा जिला झुंझुनू है । मेवात (नूह) नव निर्मित जिला है जो राजस्थान के अलवर जिलें को छूता है।

उत्तरप्रदेश (877 कि.मी.) :-

राजस्थान के दो जिलों की सीमा उत्तरप्रदेश के दो जिलों (मथूरा व आगरा) से लगती है। उत्तरप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा भरतपुर व न्यूनतम धौलपुर की लगती है। उत्तरप्रदेश की सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय भरतपुर व दूर जिला मुख्यालय धौलपुर है। उत्तरप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भरतपुर व छोटा जिला धौलपुर है।

मध्यप्रदेश (1600 कि.मी.) :-

राजस्थान के 10 जिलों की सीमा मध्य प्रदेश के 10 जिलों की सीमा से लगती है।(झाबुआ, रतलाम, मंदसौर,निमच, अगरमालवा, राजगढ, गुना, शिवपुरी, श्योंपुर, मुरैना) मध्यप्रदेश के साथ सर्वाधिक सीमा झालावाड़ व न्यूनतम भीलवाड़ा की लगती है तथा सीमा के नजदीक मुख्यालय धौलपुर व दूर जिला मुख्यालय भीलवाड़ा है। मध्यप्रदेश की सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला भीलवाड़ा व छोटा जिला धौलपुर है।

गुजरात (1022 कि.मी.) :-

राजस्थान के 6 जिलों की सीमा गुजरात के 6 जिलों से लगती है। (कच्छ, बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, माहीसागर, दाहोद)गुजरात के साथ सर्वाधिक सीमा उदयपुर व न्यूनतम सीमा बाड़मेर की लगती है तथा सीमा के नजदीक जिला मुख्यालय डूंगरपुर व दूर मुख्यालय बाड़मेर है। गुजरात सीमा पर क्षेत्रफल में बड़ा जिला बाड़मेर व छोटा जिला डूंगरपुर है। राजस्थान के पांच पडोसी राज्य है। पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश,मध्यप्रदेश ,गुजरात ।

मध्यप्रदेश, :-

गुजरात के साथ सबसे कम अन्तराज्जीय सीमा बनाने वाला जिला बाड़मेर व अधिक झालावाड़ बनाता है। सन् 1800 में जॉर्ज थामसन ने सर्वप्रथम इस भू-प्रदेश को राजपूताना ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

वनपाल एवं वनरक्षक – 2022" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान के प्राचीन क्षेत्रों के नाम

प्राचीन नाम	**स्थानी / क्षेत्र**
राजस्थान का हृदय	अजमेर
राजस्थान का धातु नगर	नागौर
स्वर्ण नगरी	जैसलमेर
हवेलियों व झरोखों का शहर	जैसलमेर
गलियों का शहर	जैसलमेर
ग्रेनाइट शहर	जालौर
राजस्थान का शिमला	माउंट आबू

राजस्थान का वेल्लोर	भैंसरोड़गढ़ दुर्ग (चि.)
शिक्षा का तीर्थ स्थल	कोटा
राजस्थान का गौरव	चित्तौड़गढ़
राजस्थान का मैनचेस्टर	भीलवाड़ा
वस्त्र नगरी / टेक्सटाइल	भीलवाड़ा
रेगिस्तान का गुलाब	जैसलमेर
राजस्थान का अंडमान	जैसलमेर
राजस्थान का अन्न भंडार	श्रीगंगानगर
सिटी ऑफ बेल्स (घंटियां) -	झालरापाटन
तांबा जिला	झुंझुनू
तीर्थों का भांजा	मचकुंड (धौलपुर)
तीर्थों का मामा	पुष्कर
स्वर्ण नगरी	जालौर
राजस्थान का थर्मोपल्ली	हल्दीघाटी
बावड़ियों का शहर	बूंदी
थार का घड़ा	चाँदन नलकूप

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

FREE SAMPLE

मरुस्थल में पाई जाने वाली प्रमख संरचनाए तथा शब्दावली

1. **लाठी सीरीज :-** पाकिस्तान देश के सहारे (पास में) पोकरण से मोहनगढ़ तक की क्षेत्र लाठी सारिज के नाम से जाना जाता है।

- 2007 में काजरी के वैज्ञानिकों द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि इस क्षेत्र में 80 मीटर लम्बी तथा 60 मीटर चौड़ी एक भूगर्भिक जल पट्टी का विस्तार है।
- इस क्षेत्र में धामण, करड, अजाण, लीलोण, सेवण घास मुख्य रूप से पायी जाती है।

- **नोट :-** सेवण घास का कटा हुआ रूप लीलण कहलाता है।
- राज्य का राज्य पक्षी गोड़ावण अपने अण्डे सेवण घास पर देता है । इसी कारण सेवण घास को गोड़ावण पक्षी की प्रजनन स्थली कहा जाता है।
- इसी क्षेत्र में जैसलमेर जिलें की सम तहसील में चन्दन गांव में एक मीठे पानी का जल स्त्रोत (कुआँ) है। जिससे प्रति घन्टे में लगभग 2.30 लाख लीटर मीठा पानी निकलता है । इसे चन्दन नलकूप या 'थार का घड़ा' भी कहा जाता है। इस कुएं का वास्तविक नाम 'चौहान' है।

2. पीवणा :- इस क्षेत्र में पाये जाने वाला जहरीला सर्प जो डंक नहीं मारता बल्कि रात्रि में सोते हुए व्यक्ति को श्वांस के द्वारा जहर देकर मारता है।

3. मावठ / महावठ / शीतकालीन वर्षा: - पश्चिमी विक्षोभों तथा भूमध्य सागरीय चक्रवातों से शीत काल में होने वाली वर्षा जो रबी की फसल के लिये उपयोगी होती है मावठ कहलाती है।

4. नेहड़ :- लगभग 100 वर्ष पूर्व राज्य के जालौर तथा बाड़मेर जिलें में समुद्र का जल आकर ठहरता था । अतः जालौर व बाड़मेर जिलें ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

FREE SAMPLE

अध्याय – 3

नदियाँ एवं झीलें

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम "राजस्थान का अपवाह तंत्र" के बारे में अध्ययन करेंगे। सबसे पहले जानते हैं कि क्या होता है "अपवाह तंत्र"?

अपवाह तंत्र -

जब नदी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जल का प्रवाह करती हैं तब उसे अपवाह तंत्र कहते हैं । अपवाह तंत्र में नदियां एवं उसकी सहायक नदियां शामिल होती हैं।

जैसे गंगा और उसकी सहायक नदियां मिल कर एक अपवाह तंत्र बनाती हैं उसी प्रकार सिंधु और उसकी सहायक नदियां जैसे झेलम, रावी, व्यास, चिनाब एक अपवाह तंत्र बनाती है, उसी प्रकार ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियां भी अपवाह तंत्र बनाती हैं। भारत की सबसे लंबी नदी गंगा है तथा सबसे बड़ा अपवाह तंत्र वाली नदी ब्रह्मपुत्र है। अब हम अध्ययन करेंगे राजस्थान के अपवाह तंत्र के बारे में।

राजस्थान में कई नदियां हैं जैसे लूनी, माही, बनास, चंबल इसके अलावा यहां पर स्थित कई झीलें भी इस अपवाह तंत्र में शामिल होती हैं ।प्रिय छात्रों जैसा कि आपको पता है राजस्थान में अरावली पर्वतमाला स्थित है यह राजस्थान के लगभग बीच में स्थित है इसलिए यह राज्य की नदियों को स्पष्ट रूप से दो भागों में विभाजित करती है। इसके पूर्व में बहने वाली नदियां अपना जल बंगाल की खाड़ी में तथा इसके पश्चिम में बहने वाली नदियां अपना जल अरब सागर में लेकर जाती हैं । राजस्थान के अपवाह तंत्र को हम दो भागों में विभक्त करेंगे फिर उनके अन्य क्रमशः 4 एवं 3 उप-भाग होंगे -

1. क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण
2. अपवाह के आधार पर वर्गीकरण

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

1. क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण को चार भागों में बांटा गया है -

(अ) उत्तरी व पश्चिमी राजस्थान- इस तंत्र में लूनी, जवाई, सूकड़ी, बांडी, सागी जोजड़ी घग्घर, कातली नदियाँ शामिल होती है ।

(ब) दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान- इसमें पश्चिमी बनास, साबर मती, वाकल, आदि शामिल होती है ।

(स) दक्षिणी राजस्थान - इसमें माही, सोम, जाखम, अनास मोरेन नदियाँ शामिल होती हैं ।

(द) दक्षिणी - पूर्वी राजस्थान - इसमें चंबल, कुंनु, पार्वती काली सिंध, कुराल, आहू, नेवज, परवन, मेंज, गंभीरी, छोटी काली सिंध, ढीला, खारी, माशी, काली सिल आदि नदियां शामिल होती हैं।

2. अपवाह के आधार पर वर्गीकरण - प्रिय छात्रों नदियों के विभाजन का सबसे अच्छा तरीका है और इसी आधार पर नदियों को तीन भागों में बांटा गया है -

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

(अ) बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ : -

इस अपवाह तंत्र में निम्न प्रमुख नदियां शामिल होती है जैसे चंबल, बनास, काली सिंध, पार्वती, बाण गंगा, खारी, बेड्च, गंभीरी आदि। ये नदियां अरावली के पूर्व में बहती हैं इनमें कुछ नदियों का उद्गम स्थल अरावली का पूर्वी घाट तथा कुछ का मध्यप्रदेश का विंध्याचल पर्वत है यह सभी नदियां अपना जल यमुना नदी के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में ले जाती हैं।

(ब)अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ :-

इस अपवाह तंत्र में इन निम्न प्रमुख नदियां शामिल है जैसे माही, सोम, जाखम, साबरमती, पश्चिमी बनास, लूणी, इत्यादि । पश्चिमी बनास, लूनी गुजरात के कच्छ के रण में विलुप्त हो ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

1. **चंबल नदी** –प्रिय छात्रों चंबल नदी के बारे में हम समझते हैं कि क्या है इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं -

- चंबल नदी राजस्थान की एक मात्र ऐसी नदी है जो प्राकृतिक अंतर्राज्यीय सीमा निर्धारित करती है इस नदी को अन्य नामों से भी जाना जाता है इसके अन्य नाम है, चर्मणवती नदी, कामधेनु नदी, बारह मासी नदी, नित्य वाहिनी नदी ।
- इस नदी की कुल लंबाई 966 किलों मीटर है। यह नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान व उत्तरप्रदेश अर्थात् 3 राज्यों में बहती है यह नदी मध्यप्रदेश में 335 किलों मीटर, राजस्थान में 135 किलों मीटर, उत्तरप्रदेश में 275 किलों मीटर बहती है यह नदी राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के मध्य 241 किलों मीटर की अंतर्राज्यीय सीमा भी बनाती है।
- इस नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश राज्य के इंदौर जिलें हुआ । क्षेत्र के विंध्याचल पर्वतमाला में स्थित 616 मीटर ऊंची "जाना पाव की पहाड़ी" से होता है मध्यप्रदेश में मंदसौर जिला में स्थित रामपुरा भानपुरा के पठारों में स्थित इस नदी का सबसे बड़ा बांध "गांधी सागर बांध" बना हुआ है।
- यह नदी राजस्थान में सर्वप्रथम चित्तौड़गढ़ जिलें में स्थित चौरासीगढ़ नामक स्थान से प्रवेश करती है इस नदी पर भैंसरोडगढ़ के समीप सबसे बड़ा सबसे ऊंचा जल प्रपात बना है जिसे चूलिया जल प्रपात के नाम से जानते हैं।
- चंबल नदी पर चित्तौड़गढ़ जिलें के रावतभाटा नामक स्थान पर राणाप्रताप सागर बांध बना हुआ है, जो कि जल भराव की क्षमता से राज्य का सबसे बड़ा बांध है इस बांध का 113 वर्ग किलों मीटर में फैला हुआ है।
- चंबल नदी चित्तौड़गढ़ जिलें में बहने के बाद कोटा जिलें में प्रवेश करती है, कोटा जिलें में इस नदी पर जवाहर सागर व कोटा बैराज बांध बना हुआ है कोटा बैराज बांध जल विद्युत उत्पादन के लिए उपयोग में नहीं लिया जाता । कोटा जिलें के नानौरा नामक स्थान पर "काली सिंध नदी" चंबल में आकर मिल जाती है यह स्थान प्राचीन काल में कपिल मुनि की तपस्या स्थली रहा था।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

- कोटा तथा बूंदी जिलें की सीमा निर्धारित करती हुई यह नदी बूंदी जिलें में प्रवेश करती है बूंदी जिलें की केशोरायपाटन नामक स्थान पर इस नदी का सर्वाधिक गहरा भाग है जो 113 मीटर की गहराई तक है बूंदी जिलें से आगे चल कर यह नदी कोटा तथा सवाईमाधोपुर की सीमा निर्धारित करती है।
- सवाईमाधोपुर जिलें के खंडार तहसील के रामेश्वर नामक स्थान पर बनास तथा सीप नदी चंबल में आकर मिलती है तथा यहां त्रिवेणी संगम बनाते हैं। सवाई माधोपुर जिलें के पालिया नामक स्थान पर चंबल नदी की सहायक नदी पार्वती इसमें आकर मिलती है। धौलपुर जिलें के पीलहाट होते हुए यह नदी राजस्थान से बाहर निकलती है और उत्तरप्रदेश राज्य में प्रवेश कर जाती है।
- अंत में यह नदी उत्तरप्रदेश राज्य के इटावा जिलें के मुरादगंज कस्बे में 275 किलों में किलों मीटर बहने के बाद यमुना में मिल जाती है यह यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

चंबल नदी से संबंधित अन्य तथ्य -

- चंबल नदी राज्य के कुल अपवाह क्षेत्र का 20.90% भाग मे है। यह नदी "गागेयसूस" नामक स्तनपाई जीव के लिए प्रसिद्ध है।
- चंबल यूनेस्को की विश्व धरोहर के लिए नामित राज्य की एकमात्र नदी है बहाव क्षमता की दृष्टि से राज्य की सबसे लंबी नदी चंबल ही है।
- यह सर्वाधिक सतही जल वाली नदी है इसीलिए इसे "वाटरसफारी नदी" भी कहा जाता है।
- चंबल नदी से सर्वाधिक अवनालिका अपरदन कोटा जिलें में होता है।
- चंबल नदी राज्य के चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, करौली और धौलपुर जिलें में बहती हैयह विश्व की एकमात्र ऐसी नदी है जिस पर प्रत्येक 100 किलों मीटर की दूरी पर 3 बड़े बांध बने हुए हैं और तीनों ही बांध से जल विद्युत उत्पादन होता है।

- चंबल नदी में घड़ियाल सर्वाधिक मात्रा में पाए जाते हैं इस कारण चंबल नदी को घड़ियालों की जन्मस्थली कहा जाता है।

चंबल की सहायक नदियां –

मध्यप्रदेश में मिलने वाली नदियां	सीवान, रेतम, शिप्रा ।
राजस्थान में मिलने वाली नदियां	आलनिया, परवण, बनास, कालीसिंध, पार्वती, बामणी, कुराल, छोटी काली सिंध आदि
चंबल नदी पर चार बांध बनाए गए हैं -	
गांधी सागर बांध	मध्यप्रदेश की भानपुरा तहसील में
राणाप्रताप सागर बांध	रावतभाटा (चित्तौड़गढ़)
जवाहर सागर बांध	बोरा बास, कोटा
कोटा बैराज बांध	कोटा शहर

<u>बनास नदी -</u>

- बनास नदी का उद्गम राजसमंद जिलें में स्थित खमनोर की पहाड़ियां से होता है पूर्णतः प्रवाह के आधार पर यह राजस्थान की सबसे लंबी नदी है इसकी कुल लंबाई 480 किलों मीटर है।
- इस नदी को अन्य नामों से जाना जाता है जैसे वन की आशा, वर्णाशा, वनआशा, वशिष्ठ नदी।

यह नदी 6 जिलों में बहती है यह 6 जिलें क्रम से हैं राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाईमाधोपुर ।इस नदी के प्रवाह क्षेत्र ....

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

5. खारी नदी -

इस नदी का उद्गम स्थल राजसमंद जिलें में स्थित बिजराल ग्राम की पहाड़ियों से होता है यह नदी अजमेर तथा उदयपुर की सीमा निर्धारित करती है यहां ओजियाना की सभ्यता विकसित हुई थी आगे चल कर यह नदी टोंक जिलें के राजमहल नामक स्थान पर बनास में जाकर मिल जाती है।

6. कोठारी नदी -

इस नदी का उद्गम राजसमंद जिलें के दिवेर नामक स्थान से होता है तथा भीलवाड़ा जिलें में बनास नदी में जाकर मिल जाती है इस नदी पर मेज बांध बनाया गया है जो भीलवाड़ा जिलें को पेयजल उपलब्ध करवाता है भीलवाड़ा जिलें की प्रसिद्ध बागोंर सभ्यता कोठारी नदी के तट पर विकसित हुई।

7. माशी नदी -

इस नदी का उद्गम अजमेर जिलें से होता है यह नदी टोंक जिलें में बीसलपुर के समीप बनास नदी में विलीन हो जाती है।

8. डाई नदी -

इस नदी का उद्गम अजमेर जिलें के किशनगढ़ (नसीराबाद) के मध्य स्थित पहाड़ियों से होता है यह नदी टोंक जिलें में राजमहल कस्बे के समीप बनास में जाकर मिल जाती है यह भी बनास की एक सहायक नदी है।

9. मानसी नदी -

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

इस नदी का उद्गम भीलवाड़ा जिलें में करणगढ़ की पहाड़ियों से होता है यह नदी भीलवाड़ा जिलें में बनास में जाकर मिल ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान में नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर-

1. हनुमानगढ़ (राजस्थान)-

➧राजस्थान का हनुमानगढ़ नगर घग्घर नदी के किनारे बसा हुआ है

2. कोटा (राजस्थान)-

➧राजस्थान का कोटा नगर चम्बल नदी के किनारे बसा हुआ है।

3. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)-

➧राजस्थान का चित्तौड़गढ़ नगर बेड़च नदी के किनारे बसा हुआ है।

4. टोंक (राजस्थान)-

➧राजस्थान का टोंक नगर बनास नदी के किनारे बसा हुआ है।

5. झालावाड़ (राजस्थान)-

➧राजस्थान का झालावाड़ नगर काली सिंध नदी के किनारे बसा हुआ है।

6. गुलाबपुरा (राजस्थान)-

➧राजस्थान का गुलाब पुरा नगर खारी नदी के किनारे बसा हुआ है।

7. जालौर (राजस्थान)-

➧राजस्थान का जालौर नगर सुकड़ी नदी के किनारे बसा हुआ है।

8. अनुपगढ़ (राजस्थान)-

➧राजस्थान का अनुपगढ़ घग्घर नदी के किनारे बसा हुआ है।

9. नाथद्वारा (राजसमंद, राजस्थान)-

➧राजस्थान राज्य के राजसमंद जिलें का नाथद्वारा नगर बनास नदी के किनारे बसा हुआ है।

10. भीलवाड़ा (राजस्थान)-

➧राजस्थान का भीलवाड़ा नगर कोठारी नदी के किनारे बसा हुआ है।

11. विजयनगर (राजस्थान)-

➧राजस्थान का विजय नगर खारी नदी के किनारे बसा हुआ है।

12. सूरत गढ़ (राजस्थान)-

➧राजस्थान का सूरत गढ़ नगर घग्घर नदी के किनारे बसा हुआ है।

13.पाली (राजस्थान)-

➧राजस्थान का पाली नगर ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान के जिलें में नदियाँ –

जिला	नदियाँ के नाम
अजमेर	खारी, डाई, लूनी
उदयपुर	सोम, साबरमती, बेड़च, बाकली
अलवर	साबी, गौरी, सोटा, काली, रूपारेल
श्रीगंगानगर	घग्घर
कोटा	चंबल, पार्वती, काली सिंध, परवन, निवाज
चित्तौड़गढ़	बनास, बामणी, बेड़च, बागन, बागली, ओराई, सीबना, गंभीरी
चूरू	कोई नदी नहीं है
जयपुर	बाणगंगा, ढूंढ, बांडी, साबी, मोरेल, डाई, सीतामाशी, सखा
जोधपुर	लूनी, जोजरी, मीठड़ी (माठड़ी)
जालोर	सुकड़ी, लूनी, बांडी, जवाई, लीलड़ी
जैसलमेर	काकनी (काकनेन), चांथण, लाठी, धोगड़ी, धउआ
झुंझुनू	काँतली
झालावाड़	काली सिंधी, छोटी कालीसिंध निवाज, पार्वती, आहू

डूंगरपुर	माही, सोम, सोनी, जाखम
बाँसवाड़ा	माही, चैनी, अन्नास
नागौर	लूनी

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान की प्रमुख झीलें -

प्रिय छात्रों राजस्थान की झीलों को हम दो भागों में विभाजित करेंगे -

(अ) खारे पानी की झीलें,

(ब) मीठे पानी की झीलें :-

(अ) खारे पानी की झीले -

1. सांभर झील:-

- राजस्थान के जयपुर – फुलेरा मार्ग पर जयपुर से लगभग 65 किलोमीटर दूर स्थित सांभर झील भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक एवं खारे पानी की झील है।
- इस झील का विस्तार 3 जिलों में है - जयपुर, अजमेर और नागौर, लेकिन सर्वाधिक विस्तार जयपुर जिलें में है और इसका प्रशासनिक अधिकार नागौर जिलें का है।
- इस झील की लंबाई दक्षिण पूरब से उत्तर पश्चिम की ओर लगभग 32 किलो मीटर है और चौड़ाई 3 से 12 किलोमीटर है इसका कुल अपवाह क्षेत्र 500 वर्ग किलोमीटर है।
- सांभर झील में मेंथा नदी, रूपनगढ़ नदी, खारी नदी और खंडेला नदी आकर मिलती हैं ।इस झील पर भारत सरकार की "हिंदुस्तान साल्ट लिमिटेड कंपनी" द्वारा उत्पादन कार्य किया जा रहा है ।इस झील में प्रति 4 मीटर की गहराई पर 350 लाख टन उत्पादन होता है जो भारत के कुल उत्पादन का 8.7% सांभर झील से ही उत्पादित होता है।

इस झील से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य -

- सांभर झील "स्वाईसरुबीना"नामक शैवालों के लिए प्रसिद्ध है ।इस शैवाल से 60% प्रोटीन प्राप्त होता है।
- यह झील अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के लिए भी जानी जाती है जैसे -
- तीर्थ स्थली देव्यानी अर्थात् तीर्थों की नानी,
- शाकंभरी माता का मंदिर,
- संत हिमामुद्दीन की पुण्य भूमि,
- जहांगीर का ननिहाल,
- अकबर की विवाह स्थली
- चौहानों की राजधानी

- ऐसा माना जाता है कि इस झील का निर्माण बिजौलिया शिलालेख के अनुसार चौहान वंश के संस्थापक वासुदेव चौहान द्वारा करवाया गया था।
- इस झील का आकार आयताकार है । इस झील पर सन् 1857 में अंग्रेजों द्वारा स्थापित सांभर साल्ट म्यूजियम स्थित है।
- पर्यटन के क्षेत्र में रामसर साइट के नाम से भी इसे जाना जाता है।

2. पचपदरा झील:-

- ऐसा माना जाता है कि 400 ईसा पूर्व पंचानामक एक भील व्यक्ति के द्वारा एक दलदल को सुखाकर इस झील के आस - पास की बस्तियों का निर्माण करवाया गया था इसलिए इस झील को पचपदरा झील कहते हैं

यह झील राजस्थान राज्य के ....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय – 5

वनस्पति एवं वन्य जीव अभ्यारण्य, वन्यजीव एवं सरंक्षण

प्रिय पाठकों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान के वन संपदा एवं वन्य जीव अभ्यारण्य का अध्ययन करेंगे और समझेंगे की वन मानव जीवन के लिए किस प्रकार से उपयोगी हैं।

दोस्तों वन संपदाको 'हरा सोना' एवं मानव का सुरक्षा कवच'कहा जाता है।

वनमानवीय जीवन के लिए प्राचीन काल से आज तक आर्थिक सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुए हैं।

वन संपदा,जीव-जंतु,मनुष्य आदि को आवास प्रदान करता है। इसी कारण कहा जा सकता है कि भौतिक भूगोल में वन संपदा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

वनस्पति:-प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ पौधे जिसमें मानवीय हस्तक्षेपन नहीं पाया जाता हो प्राकृतिक वनस्पति के नाम से जानी जाती है

निष्कर्ष:-वर्तमान समय में दावानल (जंगलों में लगने वाली आग) बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण नवीनीकरण एवं मानवीय हस्तक्षेप के द्वारा हमारे ये अमूल्य संसाधन नष्ट होते जा रहे हैं अतः धारणीय विकास पर्यावरण मित्र विकास मानव हस्तक्षेप पर नियंत्रण बढ़ते हुए शहरीकरण पर नियंत्रण जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण आदि को अपनाकर प्राकृतिक वनस्पति का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सकता है।

वन विभाग : एक नजर में

प्रदेश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	342239 वर्ग किमी.
प्रदेश का कुल वन क्षेत्र	32845.30 वर्ग किमी.
कुल भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत वन क्षेत्र	9.597
प्रदेश का कुल वनावरण	16630 वर्ग किमी.
वृक्षावरण	8112 वर्ग किमी.
वनावरण एवं वृक्षावरण	24742 वर्ग किमी.
राज्य पशु	चिंकारा एवं ऊंट
राज्य पक्षी	गोडावण
राज्य वृक्ष	खेजड़ी
राज्य पुष्प	रोहिडा
राष्ट्रीय उद्यान	3
वन्यजीव अभ्यारण	27
बाघ परियोजनाएँ	3(रणथम्भौर सरिस्का एवं मुकुंदरा हिल्स)
रामसर स्थल	2(केवलादेव नेशनल पार्क एवं सांभर झील)
संरक्षित क्षेत्र (कंजर्वेशन रिजर्व)	14
कुल प्रादेशिक मंडल	38
वन्यजीव मंडल	16

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

भारत में सर्वप्रथम वन नीति 1894 को लागू की गई एवं स्वतंत्रता के बाद प्रथम वन नीति 1952 को लागू की गई।

इस 1952 की वन नीति में संशोधन करके 1988 में राष्ट्रीय वननीति घोषित की गई। जिसके अनुसार 33.33% भू-भाग पर वन होना अनिवार्य है।

1910 में जोधपुर रियासत के द्वारा वन्य जीवों के संरक्षण संबंधी कानून बनाए एवं 1953 में राजस्थान सरकार के द्वारा वन अधिनियम को लागू किया गया।

1953 में जब वन अधिनियम को लागू किया गया उस समय राज्य के कुल 13% भाग पर वन थे।

राजस्थान सरकार के द्वारा राज्य की प्रथमवन नीति 2010 को लागू की गई।

वर्तमान समय में राजस्थान के कुल 9.57% (32736.64वर्ग किलोमीटर) क्षेत्र पर वन पाए जाते हैं जो कि देश के कुल वन क्षेत्र का 4.25% है।

वनों की दृष्टि से देश में राजस्थान का स्थान 9 वाँ है।

राजस्थान में सबसे अधिक वन उदयपुर (क्षेत्रफल के हिसाब से) जिनमें से सबसे कम चूरु जिलें में पाए जाते हैं जबकि भारत में ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

2. **जलवायु के आधार पर वनों का वर्गीकरण**:- जलवायु के आधार पर वनों को 5 भागों में बांटा गया है।

i. शुष्क सागवान वन

ii. ऊष्ण - कटिबंधीय शुष्क एवं धोंक वन

iii. ऊष्ण - कटिबंधीय कांटेदार वन

iv. ऊष्ण - कटिबंधीय मिश्रित पतझड़ वन

v. अर्द्ध आर्द्र सदाबहार वन

शुष्क सागवान वन:- यह वन राजस्थान में मुख्य रूप से उदयपुर, डूंगरपुर, बाँसवाड़ा , झालावाड़,बारां, प्रतापगढ़ एवं चित्तौड़ में पाए जाते हैं

यह वन कुल वन क्षेत्र के 6.87%(7%) भू-भाग पर है।

इन वनों के क्षेत्रों में वर्षा 70 -110 cm तक होती है। इन वनों की ऊंचाई 10 से 21 मीटर तक होती है। इन वनों में मुख्य रूप से आम, सागवान, महुआ, बांस, बरगद आदि पाए जाते है।

प्रतापगढ़ के सीता माता अभ्यारण्य में यह सर्वाधिक पाए जाते हैं ।

ii. **ऊष्ण - कटिबंधीय शुष्क एवं धोंक वन**:- यह मुख्य रूप से अर्द्ध शुष्क जलवायु प्रदेश के क्षेत्रों में पाए जाते है।

यह राज्य के कुल क्षेत्र का 58.19% है। इन वनों में मुख्य रूप से कांटेदार वृक्ष पाए जाते है। खेजड़ी,केर, बेर, रोहिड़ा, आदि पाए जाते है।

इन वनों के क्षेत्रों में वर्षा 25-50 सेंटीमीटर तक होती है।

iii. **ऊष्ण - कटिबंधीय कांटेदार वन**:- यह मुख्य रूप से शुष्क जलवायु प्रदेशों में पाए जाते हैं, जो कि कुल क्षेत्र का 6.23% है। इन वनों में मुख्य रूप से मरुद्भिद वनस्पति पाई जाती है।

इस क्षेत्र में वर्षा 0 -20 /25cm. तक होती है।

iv. **ऊष्ण - कटिबंधीय मिश्रित पतझड़ वन**:- यह वन राजस्थान के पूर्वी मैदानी प्रदेशों में अत्यधिक पाए जाते हैं, जो कि राज्य के कुल क्षेत्र के 28.42% है।

इन वनों में मुख्य रूप से शीशम, साल, सागवान, नीम, पीपल,शहतूत, खेजड़ी आदि पाए जाते हैं। वर्षा 50-80cm.

v. **अर्द्ध आर्द्र सदाबहार वन**:-यह वन राजस्थान में सिरोही के माउंट आबू क्षेत्रों में अधिक ऊंचाई पर पाए जाते है। जहाँ पर वर्षा 150cm. तक होती है। यह वन राज्य के कुल क्षेत्र का 0.38% है। यह सदा हरे - भरे रहने के कारण सदाबहार कहलाते है। जिसमें मुख्य रुप से आम, जामुन, बरगद के वृक्ष पाए जाते हैं।

राजस्थान की प्रमुख वनस्पतियों के प्रकार

1. **खेजड़ी**:- इसे राजस्थानी भाषा में सीमलो तथा इसे धार्मिक ग्रंथों में शमी राजस्थान का कल्पवृक्ष, मरुस्थल का सागवान, सफेद कीकर, राजस्थान का राज्य वृक्ष (31, अक्टूबर 1983) आदि उपनाम से जाना जाता है।

Scientific Name - Prosopis Sinereria

सिंधी भाषा में इसे छोकड़ा कड़ा कहते हैं।

राजस्थान में दशहरे के पर्व पर इस वृक्ष की पूजा की जाती है।

इस वृक्ष सेसंबंधित 'रुख आयला' एवं खे ड़ा ऑपरेशन (1951) संबंधित है।

FREE SAMPLE

2. **पलाश /धोंक**:- इसे स्थानीय भाषा में खाखरा कहा जाता है।

इस वृक्ष पर फाल्गुन के माह में लाल व पीले रंग के फूल खिलते हैं, इसी कारण इसे जंगल की आग या flame of the forest कहां जाता है।

इस वृक्ष की लकड़ी अधिक मजबूत होती है जिससे फर्नीचर, कृषि के औजार एवं इंधन के लिए लकड़ी प्राप्त होती है

यह वृक्ष मुख्य रूप से चित्तौड़ उदयपुर डूंगरपुर बाँसवाड़ा /2 झालावाड़, कोटा आदि स्थानों पर पाया जाता है।

3. **सागवान** :- सागवान का वृक्ष राजस्थान में बाँसवाड़ा , चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, झालावाड़ आदि स्थानों पर पाया जाता है। जो कि राज्य के कुल वन क्षेत्र का 7% है।

इस वृक्ष की लकड़ी अत्यधिक मजबूत होती है जिससे अनेक उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती हैं।

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

खेजड़ली गांव :-जोधपुर के महलों के निर्माण के लिए चूना पकाने के लिए ईंधन की आवश्यकता पड़ने पर जोधपुर के राजा अभय सिंह राठोड़ के द्वारा वनों से लकड़ी काटने का आदेश दिया गया। तब हकीम दास गिरधर भंडारी के द्वारा जालियांवाडा नामक स्थान से वृक्ष ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे

whatsapp- https://wa.link/8842rw 49 website- https://bit.ly/vanpal-vanrakshak-notes

दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन

अध्याय – 8

राजस्थान में खनिज

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज संसाधनों का अध्ययन करेंगे सबसे पहले हम समझते हैं कि खनिज संसाधन किसे कहते हैं।

खनिज

खनिज या खनिज पदार्थ ऐसे भौतिक पदार्थ हैं जो खान से खोद कर निकाले जाते हैं । कुछ उपयोगी खनिज पदार्थों के नाम हैं – लोहा, अभ्रक, कोयला, बॉक्साइट (जिससे एल्युमिनियम बनता है), नमक (पाकिस्तान व भारत के अनेक क्षेत्रों में खान से नमक निकाला जाता है), जस्ता, चूना पत्थर इत्यादि ।

पृथ्वी की भू - पट्टी में पाई जाने वाली यौगिक जिनमें धातुओं की मात्रा पाई जाती है, वह खनिज कहलाते हैं।

ऐसे खनिज जिनमें धातु की मात्रा अधिक होती है तथा उनसे धातुओं का निष्कर्षण करना आसान होता है उन्हें अयस्क कहते हैं।

जैसे-

धातु	अयस्क
हेमेटाइट	लोहा
बॉक्साइट	एल्युमिनियम
गैलेना	शीशा
डोलोमाइट	कैल्शियम

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

सिडेराइट	लौहा
मेलेकाइट	तांबा

खनिजों के प्रकार

खनिज तीन प्रकार के होते हैं; धात्विक, अधात्विक और ऊर्जा खनिज।

धात्विक खनिजः

लौह धातुः लौह अयस्क, मैंगनीज, निकेल, कोबाल्ट, आदि।

अलौह धातुः तांबा, लेड, टिन, बॉक्साइट, आदि।

बहुमूल्य खनिजः सोना, चाँदी, प्लैटिनम, आदि।

अधात्विक खनिजः

अभ्रक, लवण, पोटाश, सल्फर, ग्रेनाइट, चूना पत्थर, संगमरमर, बलुआ पत्थर, आदि।

ऊर्जा खनिजः कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ।

राजस्थान में खनिज संसाधन –

प्रिय छात्रों राजस्थान में कई प्रकार के खनिज पाए जाते हैं।

जैसा कि आपको पता है राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है यहां पाई जाने वाली अधिक विविधताओं के कारण या यह राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है । और इसी वजह से इसे "खनिजों का अजायबघर" भी कहा जाता है । दोस्तों खनिज भंडार की दृष्टि से राजस्थान का देश में झारखंड के बाद दूसरा स्थान आता है जबकि खनिज उत्पादन मूल्य की दृष्टि से झारखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, असम के

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

बाद राजस्थान का पांचवा स्थान है । राजस्थान में कुल होने वाले देश के खनन क्षेत्र का 5.7% क्षेत्रफल आता है । देश में सर्वाधिक खाने राजस्थान में स्थित है । देश के कुल खनिज उत्पादन में राजस्थान का योगदान 22% है।

राजस्थान में 80 से अधिक खनिज पाए जाते हैं आइए जानते हैं कौन - कौन से खनिज यहां पाए जाते हैं।

1. ऐसे खनिज जिन पर राजस्थान का एकाधिकार है -

पन्ना, जास्पर, तामड़ा, वोलेस्टोनाइट

2. ऐसे खनिज जिनके उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान है -

जस्ता - 97%, फ्लोराइड 96 %, एबेस्टोस 96 %, रॉकफोस्फेट 95%, जिप्सम 94 % चुनापत्थर 98%, खड़ियामिट्टी 92%,घीयापत्थर 90 %, चांदी 80%, मकराना (मार्बल) 75%, सीसा 75%, फेस्फार 75%, टंगस्टन 75%, कैल्साइट 70%, फायरक्ले 65%, ईमारतीपत्थर 60%, बेंटोनाइट 60%, कैडमियम 60%

3. वे खनिज जिनकी राजस्थान में ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (Ist शिफ्ट)	59 (100 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें l

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान में खनिज से संबंधित विविध तथ्य –

- खनिजों के भण्डार की दृष्टि से झारखण्ड के पश्चात् राजस्थान का देश में दूसरा स्थान है।
- खनन क्षेत्र से होने वाली आय की दृष्टि से राजस्थान का देश में पाँचवा स्थान है।
- देश में सबसे अधिक खानें राजस्थान राज्य में हैं।
- जेस्पार, वलेस्टोनाइट, पन्ना और तामड़ा का देश मे एकमात्र उत्पादक राज्य राजस्थान है।
- झामरकोटड़ा, सलोपेट और वीरमानिया रॉकफॉस्फेट के प्रमुख खान क्षेत्र हैं।
- राज्य में संगमरमर का सबसे अधिक उत्पादन एवं संगमरमर की सबसे अधिक खानें राजसमन्द जिलें में हैं । मकराना (नागौर)में विश्व प्रसिद्ध संगमरमर निकलता है।
- ब्रिटेन की माइन्स मैनेजमेन्ट लिमिटेड कम्पनी ने अजमेर से नाथ द्वारा तक पन्ने की नई पट्टी का पता लगाया है।
- प्रतापगढ़ जिलें में केसरपुरा के निकट हीरों के भण्डारों का पता चला है।
- राजस्थान में जैसलमेर का संगमरमर जूरैसिक काल का है, जबकि शेष राज्य में, यह कैम्ब्रियन पर्व की शैलों में मिलता है।
- रत्न खनिज बहुधा आग्नेय शैल के स्थान में पाए जाते हैं । इनमें पैग्मेराइट शैल मुख्य हैं - पुखराज, पन्ना, एनिथिस्ट आदि रत्न पैग्मेराइट शैल के साथ मिलते हैं।
- गार्नेट रत्न का उत्पादन देश में केवल राजस्थान में ही होता है।
- लाइमस्टोन, रॉकफॉस्फेट व जिप्सम का उत्पादन व विपणन राजस्थान राज्य खनन विकास निगम (R.S.M.D.C) द्वारा किया जाता है।
- राजस्थान के बाँसवाड़ा जिलें में सोने की खोज का कार्य चल रहा है।
- राजस्थान के जैसलमेर जिलें के रामगढ़ स्थान पर प्राकृतिक गैस आधारित ऊर्जा परियोजना प्रारंभ की गई है।
- राजस्थान के सीकर जिलें में सलादीपुर में पाइराइट्स के भंडारों का उपयोग करके सल्फ्यूरिक एसिड उत्पन्न करने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है जिसका उपयोग उर्वरक उद्योग में किया जाएगा।

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

- राजस्थान के बरसिंगसर में लिग्नाइट-आधारित ताप बिजली घर का निर्माण किया गया है।
- राजस्थान के अजमेर व राजगढ़ की खानों में लीथियम की कुछ मात्रा प्राप्त हुई है, राजस्थान के उदयपुर तथा बाँसवाड़ा जिलें में यूरेनियम की खोज की जा रही है।
- राजस्थान में तेल व प्राकृतिक गैस की खोज पोलैण्ड की प्रसिद्ध कम्पनी "पोलिश ऑयल एण्ड गैस कम्पनी" के सहयोग से "एस्सारऑयल" द्वारा बीकानेर, श्रीगंगानगर व चूरू जिलों में की जा रही है।
- 6 जुलाई, 1990 को डांडे वाला (जैसलमेर) में प्राकृतिक गैस का भंडार प्राप्त हुआ है।
- राजस्थान के प्रतापगढ़ जिलें के केसरपुरा गांव के समीप हीरे के भंडार प्राप्त हुए हैं।

राजस्थान के चित्तौडगढ़ जिलें में ब्रिटेन की..............

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

अध्याय – 8

मारवाड़ का इतिहास

राठौड़ वंश

राजस्थान के उत्तरी पश्चिम भाग में जिस राजपूत वंश का शासन हुआ उसे राठौड़ वंश कहा गया है । उसे मारवाड़ के नाम से जाना जाता है । मारवाड़ में पहले गुर्जर प्रतिहार वंश का राजा था । प्रतिहार यहाँ से कन्नौज (उत्तरप्रदेश) चले गये । फिर राठौड़ वंश कि स्थापना इस भाग में हुई तथा मारवाड़ कि संकटकालीन राजधानी ‘ शिवाना दुर्ग ’ को कहा जाता था ।

शाखा	स्थापना	संस्थापक
1. मारवाड़ (जोधपुर)	1240 ई.	राव सीहा
2. बीकानेर	1465 ई.	राव बीका
3- किशनगढ़	1609 ई.-	किशनसिंह

हम इस अध्याय में मारवाड़ के राठौड़ वंश का विस्तृत अध्ययन करेंगे ।

उत्पत्ति

राठौड़ शब्द की व्युत्पत्ति राष्ट्रकूट शब्द से मानी जाती है ।

पृथ्वीराजरासो, नैणसी, दयालदास और कर्नल टॉड राठौड़ों को कन्नौज के जयचन्द गहड़वाल का वंशज मानते हैं ।

FREE SAMPLE

राठौड़ वंश महाकाव्य में राठौड़ों की उत्पत्ति शिव के शीश पर स्थित चन्द्रमा से बताई है ।

डॉ. हार्नली ने सर्वप्रथम राठौड़ों को गहड़वालों से भिन्न माना है । इस मत का समर्थन डा. ओझा ने किया हैं ।

डा. ओझा ने मारवाड़ के राठौड़ों को बदायूँ के राठौड़ों का वंशज माना हैं ।

मारवाड़ (जोधपुर) के राठौड़ संस्थापक – राव सीहा (1240 – 1273)

मारवाड़ के राठौड़ वंश के संस्थापक, तथा मारवाड़ के राठौड़ों का संस्थापक या आदि पुरुष भी कहा जाता है ।

राव सीहां कुंवर 'सेतराम' का पुत्र था उसकी रानी सोलंकी वंश की 'पार्वति थी ।

13 वीं शताब्दी में जब तुर्कों ने कन्नौज को आक्रमण कर बरबाद कर दिया तो राव सीहा मारवाड़ चला आया ।

राव सीहा ने सर्वप्रथम पाली (वर्तमान) के निकट अपना साम्राज्य स्थापित किया ऐसा कहते है कि उन्होनें पाली के पालीवाल ब्राह्मणों को मेर व मीणाओं के अत्याचार से मुक्ति दिलाई उनकी रक्षा की तथा उसके पश्चात् उनके आग्रह पर वहीं आकर बस गया ।

राव सीहा के पश्चात् उनका पुत्र आस्थान गद्दी पर बैठा ।

आस्थान (1273 – 1291)

सीहा के बाद आस्थान राठौड़ों का शासक बना। उसने गूँद्दोज को केन्द्र बनाया । 1291 ई. में सुल्तान जलालुद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय पाली की रक्षा करते हुए आस्थान वीरगति को प्राप्त हुआ

आस्थान के पुत्र धूहड़ ने राठौड़ों की कुलदेवी चक्रेश्वरी की मूर्ति कर्नाटक से लाकर नगाणा गांव (बाड़मेर) मे स्थापित कराई ।

राठौड़ राजवंश की कुलदेवी चक्रेश्वरी, राठेश्वरी, नागणेची या नागणेचिया के नाम से प्रसिद्ध है ।

इनके छोटे भाई का नाम धांधल था। ये लोकदेवता पाबू जी के पिता थे ।

राव चूड़ा (1383 – 1423)

राव चूडा विरमदेव का पुत्र था ।

राव चूड़ा राठौड़ों का प्रथम महत्वपूर्ण शासक माना जाता हैं । अपने पिता की मृत्यु के समय चूड़ा छः वर्ष का था । इसलिए उसकी माता ने उसे चाचा मल्लिनाथ के पास भेज दिया। मल्लिनाथ ने चूड़ा को सालोड़ी गाँव जागीर...........

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें ।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

अध्याय - 9

राजस्थान के वंश

परमार का शाब्दिक अर्थ शत्रु को मारने वाला होता है। प्रारम्भ में परमारों का शासन आबू के आस-पास के क्षेत्रों तक ही सीमित था। प्रतिहारों की शक्ति के ह्रास के उपरान्त परमारों की राजनीतिक शक्ति में वृद्धि हुई।

राजस्थान के परमार वंश

आबू के परमार :- आबू के परमार वंश का संस्थापक 'धूमराज' था, लेकिन इनकी वंशावली उत्पलराज से प्रारम्भ होती है। पड़ौसी होने के कारण आबू के परमारों का गुजरात के शासकों से सतत् संघर्ष चलता रहा। गुजरात के शासक मूलराज सोलंकी से पराजित होने के कारण आबू के शासक धरणीवराह को राष्ट्रकूट धवल का शरणागत होना पड़ा। लेकिन कुछ समय बाद धरणीवराह ने आबू पर पुनः अधिकार कर लिया। उसके बाद महिपाल का 1002 ई. में आबू पर अधिकार प्रमाणित होता है। इस समय तक परमारों ने गुजरात के सोलंकियों की अधीनता स्वीकार कर ली। महिपाल के पुत्र धंधुक ने सोलंकियों की अधीनता से मुक्त होने का प्रयास किया। फलतः आबू पर सोलंकी शासक भीमदेव ने आक्रमण किया। धंधुक आबू छोड़कर धार के शासक भोज के पास चला गया। भीमदेव ने विमलशाह को आबू का प्रशासक नियुक्त किया। विमलशाह ने भीमदेव व धंधुक के मध्य पुनः मेल करवा दिया। उसने 1031 ई. में आबू में 'आदिनाथ' के भव्य मंदिर का भी निर्माण करवाया। धंधुक की विधवा पुत्री ने बसन्तगढ़ में सूर्यमंदिर का निर्माण करवाया व सरस्वती बावड़ी का जीर्णोद्धार करवाया।

कृष्णदेव के शासनकाल :- कृष्णदेव के शासनकाल में 1060 ई. में परमारों और सोलंकियों के सम्बन्ध पुनः बिगड़ गए, लेकिन नाड़ौल के चौहान शासक बालाप्रसाद ने इनमें पुनः मित्रता करवाई। कृष्णदेव के पौत्र विक्रमदेव ने महामण्डलेश्वर की उपाधि धारण की। विक्रमदेव

का प्रपौत्र धारावर्ष (1163-1219 ई.) आबू के परमारों का शक्तिशाली शासक था। इसने मोहम्मद गौरी के विरुद्ध युद्ध में गुजरात की सेना का सेनापतित्व किया। वह गुजरात के चार सोलंकी शासकों कुमारपाल, अजयपाल, मूलराज व भीमदेव द्वितीय का समकालीन था। उसने सोलंकियों की अधीनता का जुआ उतार फेंका। उसने नाडौल के चौहानों से भी अच्छे सम्बन्ध रखे। अचलेश्वर के मन्दाकिनी कुण्ड पर बनी हुई धारावर्ष की मूर्ति और आर-पार छिद्रित तीन भैंसे उसके पराक्रम की कहानी कहते हैं। 'कीर्ति कौमुदी' नामक ग्रंथ का रचयिता सोमेश्वर धारावर्ष का कवि था। उसके पुत्र सोमसिंह के शासनकाल में तेजपाल ने आबू के देलवाड़ा गाँव में 'लूणवसही' नामक नेमिनाथ का मंदिर अपने पुत्र लूणवसही व पत्नी अनुपमादेवी के श्रेयार्थ बनवाया। इसके पश्चात् प्रतापसिंह और विक्रम सिंह आबू के शासक बने। 1311 ई. के लगभग नाडौल के चौहान शासक राव लूम्बा ने परमारों की राजधानी चन्द्रावती पर अधिकार कर लिया और वहाँ चौहान प्रभुत्व की स्थापना कर दी।

मालवा के परमार :- - मालवा के परमारों का मूल उत्पत्ति स्थान भी आबू था। इनकी राजधानी उज्जैन या धारानगरी रही, मगर राजस्थान के कई भू-भाग-कोटा राज्य का दक्षिणी भाग, झालावाड़, वागड़, प्रतापगढ़ का पूर्वी भाग आदि इनके अधिकार में थे। मालवा के परमारों का शक्तिशाली शासक मुंज हुआ, वाक्पतिराज, अमोघ-वर्ष उत्पलराज, पृथ्वीवल्लभ, श्रीवल्लभ आदि उसके विरुद थे। मेवाड़ के शासक शक्तिकुमार के शासनकाल में उसने आहड़ को नष्ट किया और चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया। उसने चालुक्य शासक तैलप द्वितीय को छः बार परास्त किया, मगर सातवीं बार उससे पराजित हुआ और मारा गया। राजा मुंज को 'कवि वृष' भी कहा जाता था। 'नवसहसांक चरित' का रचयिता पद्मगुप्त और अभिधानमाला' का रचयिता हलायुध उसके दरबार की शोभा बढ़ाते थे।

मुंज के बाद सिन्धुराज और भोज प्रसिद्ध परमार शासक हुए। भोज अपनी विजयों और विद्यानुराग के लिए प्रसिद्ध था। भोज ने सरस्वती कण्ठाभरण, राजमृगांक, विद्वज्जनमण्डल, समरांगण, शृंगार मंजरी कथा, कूर्मशतक आदि ग्रंथ लिखे। चित्तौड़ में उसने 'त्रिभुवन

नारायण' का प्रसिद्ध शिव मंदिर बनवाया, जो मोकल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, (1429 ई. में राणा मोकल द्वारा ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (Ist शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

अध्याय – 10

मुगल सम्राटों और उनकी राजपूत नीति

इस लेख में हम विभिन्न मुगल सम्राटों और उनकी राजपूत नीतियों के बारे में चर्चा करेंगे।

बाबरः-

बाबर की राजपूतों के प्रति कोई सुनियोजित नीति नहीं थी। उसे मेवाड़ के राणा साँगा और चंदेरी के मेदिनी राय के खिलाफ लड़ना पड़ा क्योंकि भारत में अपने साम्राज्य की स्थापना और सुरक्षा के लिए यह आवश्यक था। दोनों अवसरों पर, उन्होंनें अपनी सफलता के बाद जिहाद की घोषणा की और राजपूतों के सिर की मीनारों को उठाया। लेकिन उन्होंनें एक राजपूत राजकुमारी के साथ हुमायूँ से शादी की और राजपूतों को सेना में नियुक्त किया। इस प्रकार, उन्होंनें न तो राजपूतों से दोस्ती करने की कोशिश की और न ही उन्हें अपना स्थायी दुश्मन माना।

हुमायूंः-

हुमायूँ ने राजपूतों के बारे में अपने पिता की नीति को जारी रखा। हालाँकि, उसने मेवाड़ के राजपूतों से दोस्ती करने का एक अच्छा अवसर खो दिया। उन्होंनें मेवाड़ को गुजरात के बहादुर शाह के खिलाफ भी मदद नहीं की, जब मेवाड़ की रानी कर्णावती ने उनकी बहन बनने की पेशकश की थी। वह शेरशाह के खिलाफ मारवाड़ के मालदेव का समर्थन पाने में भी असफल रहा।

शेर शाहः-

शेरशाह अपनी राजसत्ता के अधीन राजपूत शासकों को लाना चाहता था। 1544 ई. में उसने मारवाड़ पर हमला किया और उसके बड़े ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

FREE SAMPLE

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय – 14

राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन

राजस्थान में आजादी से पूर्व कई. किसान एवं आदिवासी आंदोलन हुए जो उन पर किये जा रहे अत्याचारों के विरोध में हुए। राजस्थान में कई रियासतें किसानों से मनमना कर "लाग" वसूलती थी। इनके विरोध में समाय समय पर किसान नेताओं ने राजस्थान में किसान आंदोलन किये। इसी तरह आदिवासियों के ऊपर हुए अत्याचारों के विरोध में भी कई. आंदोलन हुए जिनका नेतृत्व आदिवासी नेताओं ने किया जो राजस्थान में आदिवासी आंदोलन व राजस्थान में किसान आन्दोलन ।

बिजोलिया किसान आंदोलन

बिजोलिया किसान आंदोलन (बिजोलिया किसान आंदोलन हिंदी में):- बिजोलिया किसान आंदोलन राजस्थान से शुरू होकर पुरे देश में फैलने वाला एक संगठित किसान आंदोलन था। बिजोलिया किसान आंदोलन इतिहास का सबसे लंबा चला अहिंसक किसान आंदोलन था, जो कि करीब 44 साल तक चला ।

बिजौलिया किसान आन्दोलन (1897-1941 44 वर्षों तक) -

जिला भीलवाड़ा

बिजौलिया का प्राचीन नाम विजयावल्ली

संस्थापक अशोक परमार

बिजोलिया, मेवाड़ रियासत का ठिकाना था।

कारण

1. लगान की दरें अधिक थी।

2. लाग-बाग कई. तरह के थे।

3. बेगार प्रथा का प्रचलन था।

बिजोलिया किसानों से 84 प्रकार का लाग-बाग (टेक्स) वसुल किया जा जाता था।

बिजोलिया के किसान धाकड़ जाति के लोग अधिक थे।

बिजोलिया किसान आन्दोलन तीन चरणों में पुरा हुआ था।

1. 1897 से 1916 नेतृत्व -साधु सीताराम दास

2. 1916 से 1923 नेतृत्व - विजयसिंह पथिक (मूल नाम भूप सिंह)

3. 1923 से 1941 नेतृत्व - माणिक्यलाल वर्मा,

हरिभाऊ उपाधाय जमनालाल बजाज,

रामनारायण चौधरी

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

प्रथम चरण (1897 से 1916 तक) से

- 1897 में बिजौलिया के किसान राम धाकड़ के मृत्युभोज के अवसर पर गिरधारीपूरा गांव से एकत्रित होते और ठिकानेदार की शिकायत मेवाड़ के महाराणा से करने का निश्चिय करते हैं। और नानजी पटेल व ठाकरी पटेल को उदयपुर भेजा जाता है जहाँ मेवाड़ के महाराणा फतेहसिंह ने कोईभी कार्यवाही नहीं की। इस समय बिजौलिया के ठिकानेदार रावकृष्ण सिंह ने 1903 में किसानों पर चंवरी कर लगाया।
- चंवरी कर एक विवाह कर था इसकी दर 5 रूपये थी। 1906 में कृष्णसिंह मर गया और नये ठिकानेदार राव पृथ्वीसिंह बने जिन्होंने तलवार बंधाई कर (उत्तराधिकारी शुल्क किसानों पर लागु कर दिया।
- 1915 में पृथ्वी सिंह ने साधु सीताराम दास व इसके सहयोगी फतहकरण चारण व ब्रह्मदेव को बिजोलिया से निष्कासित कर दिया।

द्वितीय चरण (1916 से 1923 तक)

- 1917 में विजयसिंह पथिक ने ऊपरमात पंचबोर्ड (ऊपरमात पंचायत) का गठन मन्ना पटेल की अध्यक्षता में किया। बिजोलिया किसान आन्दोलन को लोकप्रिय व प्रचलित करने वाले समाचार पत्र प्रताप 2. ऊपरमात डंका थे।
- 1919 में बिन्द्रलाल भट्टाचार्य आयोग को बिजोलिया किसान आन्दोलन की जांच के लिए भेजा जाता है। इस आयोग ने लगान की दरें कम करने तथा लाग-बागों को हटाने की सिफारिश की किन्तु मेवाड़ के महाराणा ने इसकी कोईभी सिफारिश स्वीकार नहीं की।
- 1920 में पथिक जी के प्रयासों से अजमेर में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना हुई ।
- अजमेर से ही पथिक जी ने एक नया पत्र राजस्थान प्रकाशित किया ।
- पथिक जी क्रांतिकारी व सत्याग्रही होने के अलावा कवि, लेखक और पत्रकार भी थे। अजमेर से उन्होंने नव संदेश और राजस्थान संदेश के नाम से हिन्दी के अखबार भी निकाले। तरुण राजस्थान नाम के एक हिन्दी साप्ताहिक में वे "राष्ट्रीय पथिक" के नाम से अपने विचार भी व्यक्त किया करते थे। पूरे राजस्थान में वे राष्ट्रीय पथिक के नाम से अधिक लोकप्रिय हुए।

1922 में राजपुताना का ए.जी. जी. रॉबर्ट हॉलेण्ड बिजोलिया आते हैं और.................

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

सीकर किसान आंदोलन

- 1922 ई.में सीकर के नए राजा ठाकुर कल्याण सिंह द्वारा 25 से 50 प्रतिशत तक भूमि लगान वसूल करने के साथ ही सीकर में किसानों का व्यापक आंदोलन प्रारंभ हुआ ।
- अक्टूबर 1925 ई.में अखिल भारतीय जाट महासभा का अधिवेशन अजमेर के समीप पुष्कर में आयोजित हुआ ।
- अखिल भारतीय जाट महासभा के सहयोग से 1931 ई. में सीकर के जाटों ने राजस्थान जाट क्षेत्रीय सभा की स्थापना की ।
  - 1932 ई. में बसंत पंचमी के पर्व पर जाट सभा का आयोजन किया । इसमें 60 हजार जाट सम्मिलित हुए ।
  - सितम्बर 1933 में पलसाना में जाट सभा का आयोजन किया गया ।
  - गोविन्दम हनुमानपुरा (दूलडा) एक स्वतन्त्रता सेनानी शेखावाटी किसान आन्दोलन का नेता था ।
  - 25 अप्रेल, 1934 ई. को सीकर के कटराथल में सरदार हरलाल की पत्नी किशोरी देवी जाट ने 10 ,000 महिलाओं के नेतृत्व में विशाल महिला सम्मेलन आयोजित किया । इस सम्मेलन में उत्तमा देवी के द्वारा भाषण दिया गया ।
  - शेखावाटी किसान आंदोलन के प्रमुख केन्द्र पलसाना, कटराथला 'गोठड़ा एवं कुंदन गाँव (सीकर)

खुडी गोली काण्ड

1935 ई.में सीकर के खुडी गाँव में किसानों पर कैप्टन वेब ने लाठीचार्ज करवाया, जिसमें चार किसान मारे गए । खुडी कांड का प्रकाशन खण्डवा से प्रकाशित समाचार-पत्र कर्मवीर में हुआ ।

कूदन गोली काण्ड

- सीकर ठिकाने के विशेष अधिकारी बेव ने अप्रैल, 1935 ई. को कूदन व गोठड़ा भूकरान गाँवों पर धावा बोल दिया व किसानों का नरसंहार किया। जिसमें 4 लोग मारे गए।

कूदन गाँव का हत्याकाण्ड इतना बीभत्स था कि ब्रिटेन की संसद के ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

अध्याय - 4

राजस्थान के लोकगीत

लोकगीत सरल तथा साधारण वाक्यों से ओत-प्रोत होते है और इसमें लय को ताल से अधिक महत्व दिया गया है राजस्थान के लोकगीत में मुख्यत. तीन वस्तुओं का समायोजन होता है, ये निम्न है **गीत** (शब्द योजना) , **धुन** (स्वर योजना) , **वाद्य** (स्वर तथा लय योजना) ।

राजस्थान के लोकगीत मे तीन, सात, नौ, बत्तीस व छप्पन संख्याओं का प्रयोग मिलता है और साथ ही लय बनाने के लिए उनमें निरर्थक शब्दों का भी समायोजन कर लिया जाता है ।

कुछ विद्वान लोक वार्ता का प्रथम संकलनकर्ता **कर्नल जेम्स टॉड** को मानते है, किन्तु वास्तविक अर्थों में **1892 ई०** में प्रकाशित**C. E. गेब्हर** का ग्रंथ ' **फोक सांग्स ऑफ सदर्न इंडिया** ' को भारत में लोक साहित्य का प्रथम ग्रंथ माना जाना चाहिए ।

राजस्थान के लोकगीत

- राजस्थान के लोक गीतों को संग्रह करने का कार्य जैन कवियों द्वारा आज से लगभग 500 वर्ष पूर्व किया गया था ।

आंगो मोरियों

- यह एक राजस्थानी लोक गीत है , जिसमें पारिवारिक सुख का चित्रण मिलता है ।

औल्यूँ

- यह किसी की याद में गाया जाने वाला गीत है ।

आंबो

- यह गीत पुत्री की विदाई. पर गाया जाता है ।

अजमो

- यह गीत गर्भावस्था के आठवें महीने में गाया जाता है ।

इडूणी

- यह गीत स्त्रियां पानी भरने जाते समय गाती हैं ।

उमादे

- राजस्थान में यह रूठी रानी का गीत है ।

ढोलामारू

- यह सिरोही का प्रेमकथा पर आधारित गीत हैं ।इसे ढाढी गाते हैं ।इसमें ढोला मारू की प्रेमकथा का वर्णन किया गया है ।

झोरावा

- जैसलमेर जिलें में पति के प्रदेश जाने पर उसके वियोग मे गाया जाने वाला गीत है ।

झूलरिया

- यह गीत माहेरा या भात भरते समय गाया जाता है ।

फतमल

यह गीत हाड़ौती के राव फतहल तथा उसकी टोडा की रहने वाली प्रेमिका की ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

“राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022” *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***राजस्थान की प्रमुख प्रथाएं***

○ **सती प्रथा** - पति की मृत्यु पर पत्नी का उसकी चिता के साथ जलकर मौत का वरण करना ही 'सती प्रथा' कहलाता हैं। इस प्रथा को सहगमन / सहमरणा / अणवारोहण के नाम से भी जाना जाता हैं।

राज्य में सर्वप्रथम सती होने का प्रमाण वि.सं. 861 ई. के घटियाला शिलालेख (जोधपुर) से मिलते है, जबकि राज्य में सती प्रथा की अंतिम घटना दिवराला गांव (सीकर) को मानी जाती हैं। यह घटना 1987 ई.0 की हैं। इस घटना के बाद राजस्थान सरकार ने सती निवारण अधिनियम पारित किया।

- आजादी से पहले राज्य में सर्वप्रथम सती प्रथा पर बूंदी रियासत ने रोक लगाई थी।
- राजा राममोहनराय के प्रयासों से लॉर्ड विलियम बैंटिक ने सन् 1829 में सती प्रथा को रोकने के लिए सरकारी आदेश जारी किया था। इस आदेश के बाद अलवर रियासत ने सर्वप्रथम सती प्रथा पर रोक लगाई थी। भारत के शासक मुहम्मद तुगलक व अकबर ने भी सती प्रथा पर रोक लगाने के प्रयास किए थे।

राज्य में सबसे प्रसिद्ध सती प्रथा की घटना 1652 ई में हुई। इसमें झुंझुनू के तन धन दास की पत्नी नारायणी देवी सती हुई थी। नारायणी देवी को रानी सती या सती दादी के नाम से भी जाना जात हैं। इस परिवार की कुल 13 महिलाएं सती हुई थी।

अनुमरण प्रथा - पति के शव के साथ सती न होकर उसके किसी चिन्ह (वस्तु) के साथ सती होना ही 'अनुमरण' कहलाता हैं। ऐसी 'सती' को महासती कहते हैं। मारवाड़ के राजा राव मालदेव की पत्नी उमादे जो कि जैसलमेर के राजा लूणकरण की पुत्री थी। यह उमादे भी मालदेव की पत्नी के साथ सती हुईथी।

○ **अणख प्रथा** - सती होने वाली महिला अपने परिवार के सदस्यों को कुछ उपदेश दिया करती थी, जिसे ही अणख प्रथा कहा जाता था।

- ***जौहर प्रथा*** *- युद्ध में जीत की आशा ना देखकर राजपूत महिलाएं अपने स्त्रीत्व की रक्षा हेतु अग्नि या जल में कूदकर अपनी जान दे देती थी, इसे ही जौहर प्रथा कहते हैं ।*

- ***केसरिया प्रथा*** *- राजपूत योद्धे के सरिया वस्त्र पहनकर युद्ध करते हुए, वीरगति को प्राप्त हो जाते थे, इसे ही केसरिया करना कहते हैं ।*

  - ***साका*** *- यदि जौहर और केसरिया किसी युद्ध के समय दोनों होते हैं, तो इसे साका कहते हैं ।*

  - ***अर्द्धसाका*** *- यदि किसी युद्ध में केसरिया तो हुआ, लेकिन 'जौहर' नहीं हुआ तो इसे 'अर्द्धसाका' कहते हैं ।*

  - ***डावरिया प्रथा*** *- राजाओं की लड़की के शादी में उनके साथ दहेज के रूप में अन्य कुंवारी कन्याएं दी जाती थी, जिसे 'डावरिया' कहा जाता था ।*

  नाता प्रथा *- पुनर्विवाह को ही नाता प्रथा कहते हैं ।*

  - ***कोथला*** *- बेटी के पिता लड़कों वालों को बुलाकर कुछ उपहार देता हैं, इसे ही कोथला कहा जाता हैं ।*

  - ***समठुणी*** *- विवाह के उपरांत लड़की के पिता द्वारा बारातियों को विदाई के समय कुछ भेंट प्रदान की जाती हैं । इसे ही समठुणी कहते हैं ।*

  - ***त्यागप्रथा*** *- राजकुमारियों के विवाह के अवसर पर राजा या महाराजाओं द्वारा चारण साहित्याकारों को दिया जाने वाला उपहार । इसे ही 'पोलपात बारहठ' कहा जाता हैं । इस पर सर्वप्रथम 1841 ई में जोधपुर रियासत ने रोक लगाई. ।*

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

- ***कन्यावध*** - *कन्या को जन्म लेते ही उसे अफीम देकर या गला दबाकर मारा दिया जाता था, इसे ही कन्या वध कहते हैं । ये प्रथा विशेषकर मारवाड़ के राजपूतों में प्रचलित थी । कन्या वध में सर्वप्रथम रोक 1833 ई.में कोटा रियासत ने लगाया ।*

डाकन प्रथा - *राजस्थान में विशेषकर जनजातियों में स्त्री पर डाकन होने का ....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजव्यवस्था

अध्याय – 2

मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद्

- मुख्यमंत्री भारतीय राज्य की कार्यपालिका का वास्तविक प्रधान होता है ।
- वह राज्य विधानसभा का नेता होता है ।
- मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत की जाती है ।
- राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति या तो आमचुनाव के बाद करता है या फिर तब करता है , जब मुख्यमंत्री के त्याग पत्र देने के कारण उसका पद रिक्त हो जाता है ।
- मुख्यमंत्री पद के लिए संविधान में कोई योग्यता निर्धारित नहीं की गयी है , लेकिन मुख्यमंत्री के लिए यह आवश्यक है कि वह राज्य विधानसभा का सदस्य हो ।
- राज्य विधानसभा का सदस्य न होने वाला व्यक्ति भी मुख्यमंत्री पद पर नियुक्त किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि वह 6 माह के भीतर राज्य विधानसभा का सदस्य निर्वाचित हो जाये ।
- 21 सितम्बर, 2001 को उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार किसी सजायाफ्ता को मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य माना जाएगा ।

मुख्यमंत्री के दायित्व

- मुख्यमंत्री का पहला कार्य मंत्रिपरिषद का निर्माण करना है ।
- वह मंत्रिपरिषद के सदस्यों की संख्या निश्चित करता है और उसके लिए नामों की एक सूची तैयार करता है ।

- *मुख्यमंत्री राज्यपाल की औपचारिक स्वीकृती से मंत्रियों के बीच विभागों का वितरण करना है ।*
- *मुख्यमंत्री मंत्रियों से पारस्परिक सहयोग पूर्वक कार्य करता है , उनके मतभेद और ....*

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)

SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856WI8&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

राजस्थान में मुख्यमंत्री

पं. हीरालाल शास्त्री

- 30 मार्च, 1949 को जब 22 देशी रियासतों का विलय कर राजस्थान का निर्माण किया गया तब जयपुर रियासत के पूर्व प्रधान मंत्री पं. हीरालाल शास्त्री को 30 मार्च 1949 को राज्य का प्रधानमंत्री मनोनीत किया गया | उन्होंने राजस्थान के प्रधानमंत्री के तौर पर 5 जनवरी 1951 तक कार्य किया | देश में संविधान के लागू होने के बाद उनके पद का नाम बदल कर मुख्यमंत्री कर दिया गया |

सी.एस. वेंकटाचारी

- हीरालाल शास्त्री को लेकर मतभेद पैदा हो गया और अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से उन्हें पद से हटा दिया गया । उनकी एवज में आई.सी.एस. अधिकारी श्री सी.एस. वेंकटाचारी को मुख्यमंत्री का कार्यभार दे दिया गया | उन्होंने 26 अप्रैल 1951 तक इस पद पर कार्य किया |

जय नारायण व्यास

- जय नारायण व्यास को 26 अप्रैल 1951 को मुख्यमंत्री मनोनीत किया गया | उन्होंने प्रथम आम चुनाव का परिणाम आने तक कार्य किया . 3 मार्च 1952 तक वे पद पर बने रहे. अगस्त 1952 में पहले आम चुनाव का परिणाम आ जाने के बाद वें किशनगढ़ से विधायक बने और 13 नवम्बर 1954 तक इस पद पर बने रहे |

टीकाराम पालीवाल

- टीकाराम पालीवाल प्रदेश के पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने | इससे पहले के सभी मुख्यमंत्री मनोनीत किये गए थे | 3 मार्च 1952 को राज्य की प्रथम जनतांत्रिक

सरकार की बागडोर टीकाराम पालीवाल ने ही संभाली 31 अक्टूबर 1952 तक वे इस पद पर काम करते रहे |

मोहनलाल सुखाड़िया

- सुखाड़िया जी ने कांग्रेस विधायक दल के नेता के चुनाव में जयनारायण व्यास को हराकर सिर्फ 38 साल की उम्र में प्रदेश का मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त किया | 13 नवम्बर 1954 को उन्होंने राज्य की कमान संभाली | इस के बाद वे 1957 में दूसरी बार, 1962 में तीसरी बार और 1967 में लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बने । चौथी बार उन्हे अविश्वास प्रस्ताव से पद से हटाने का प्रयास किया गया लेकिन 26 अप्रैल 1967 को उन्होंने अपना बहुमत सिद्ध करने के बाद 8 जुलाई 1971 को पद से इस्तीफा दे दिया |

बरकतुल्लाखां

- बरकतुल्ला खां ने 9 जुलाई 1971 को सुखाड़िया के बाद प्रदेश की कमान संभाली | 16 मार्च 1972 को उन्हें दूसरी बार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला | 11 अक्टूबर 1973 को हृदयाघात से उनका निधन हो गया |

हरिदेव जोशी

बकरतुल्ला खां के निधन के बाद प्रदेश की बागडोर हरिदेव जोशी को सौंपी गई | 11 अक्टूबर, 1973 को उन्होंने ....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

अध्याय – 10

राजस्थान राज्य महिला आयोग

राजस्थान में राज्य महिला आयोग की स्थापना के लिए राज्य सरकार द्वारा 23 अप्रैल, 1999 को एक विधेयक राज्य विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक के पारित होने पर 15 मई, 1999 को राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन किया गया।

इतिहास-

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1975 को अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की। फिर उस के बाद से 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, संयुक्त राष्ट्र संघ ने महिलाओं के दशक के रूप में 1976-85 की घोषणा की।

सीईडीएडब्ल्यू (कन्वेंशन महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के उन्मूलन) पर 1979 में हस्ताक्षर किए, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सुनिश्चित करता है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि है। लेकिन भारत ने 9 जुलाई, 1993 इस संधि सीईडीएडब्ल्यू पर कुछ संशोधनों के साथ हस्ताक्षर किए हैं, कि इससे न केवल लैंगिक भेदभाव को रोकता है, लेकिन यह भी सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को रोकने के लिए, संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत में महिलाओं के लिए प्रदान की संवैधानिक अधिकार के कार्यान्वयन धीमा था। और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में वृद्धि थी । इस पर अंकुश लगाने के लिए, और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के अनुरूप, महिलाओं के लिए राष्ट्रीय नीति को 1996 में घोषित किया गया था। इसमें महिलाओं के विकास के

लिए, और उनके खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए, महिलाओं के लिए के लिए राष्ट्रीय आयोग व राज्य आयोगों के गठन का प्रस्ताव किया गया । राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम 1999 के तहत 15 मई 1999 को राजस्थान राज्य महिला आयोग का गठन, एक सांविधिक निकाय व स्वायत्त संस्था के रूप में किया गया।

आयोग के मुख्य कार्य-

(आयोग के कार्यों का विस्तृत उल्लेख अधिनियम की धारा 11 में किया गया है।)

- महिलाओं के खिलाफ होने वाले किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार की जाँच करना एवं उस मामले में सरकार को सिफारिश करना।
- प्रवृत्त विधियों व उनके प्रवर्तन को महिलाओं के हित में प्रभावी बनाने के लिए कदम उठाना।

राज्य लोक सेवाओं और राज्य लोक उपक्रमों में महिलाओं के विरुद्ध किसी ....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक – 2022"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें- 8504091672, 9694804063, 8233195718, 9887809083

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/